



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ301825	ImageGroup:	I4CZ364215
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ཀུན་དགའ་རྒྱལ་མཚན་གྱི་རྣམ་ཐར་དགེ་ལེགས་ཀུན་གྱི་འབྱུང་གནས་དང་པའི་རྒྱུ་མཚོ། kun dga' rgyal mtshan gyi rnam thar dge legs kun gyi 'byung gnas dad pa'i rgya mtsho/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	gting khebs mkhar chen/
Publisher:	chos rgyal ngag gi dbang po phyogs las rnam rgyal/
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा
सर्वकलहर्त्रा सर्वदुष्टहर्त्रा

A colorful illustration of a seated Buddhist figure, likely a Buddha or Bodhisattva, wearing a red and gold robe. The figure is framed by a circular halo and surrounded by stylized clouds and a lotus base.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

གྱུ་ལྟེན་པའི་རབས་ཀྱི་ཕྱིང་བའི། ཕྱོགས་ལུ་རུས་གསུམ་གྱི་འབྲུང་བ་བཞིའི་རུལ་ཇི་སྟོང་པ་དེ་སྟོང་དེ་ཞེས་པ་ལས་གཞན་དུ་ཇི་ལྟར་བཟོད། རོན་ཁུང་འཇིག་རྟེན་དུ་འདི་སྐད་ཅས་སྟོག་པ་ཐོས་ན། དཔལ་ལྷན་སྐུ་རྩེ་ཆོས་
 ཇི་ཉི་ལེ་བར་གྲགས་པ་མཆོན་དེས་ལངས་དབྱུངས་དག་དབང་གྲགས་པ་བཟེར་བའི་མཁས་ཤིང་གྲུབ་པའི་དབང་ཕྱག་དམ་པར་གྱུར་པ། བདག་ཆོན་སྟོགས་རྒྱལ་མཆོན་དཔལ་བཟང་པོའི་ཡང་སྤྱུ་མ་མཛད་པ་དེ་ཉིད་ཡིན་ན། ཇི་འདི་
 སྐུ་ནས་ཕྱོགས་ལུ་མ་ཕྱེན་ཅོ་མན། སྐུ་ཉི་སྟེ་བྱང་འདི་ལྟ་བུ་ན་དེ་སྐུ་མ་ཕྱུར་དང་དེ་ཇི་སྟེ་ཕྱོགས་ལུ་ཉི་ལྟ་བུ་ཡོད་ཅེས་གསུང་འདི། ཡང་པུ་རྟེ་ཆོན་པ་རྒྱལ་བ་ལྟ་མཆོག་ལྟ་བུ་གྱི་རྒྱལ་ཆོབ་ཇི་བུ་ན་གུན་དག་ལ་རྒྱལ་
 མཆོན་པ་དང་བྱགས་རྒྱུད་གཅིག་པར། ཇི་བུ་ན་གུན་དག་ལ་གྲུབ་མཆོག་གིས་ལུང་བསྟན་ཅིང་། ཡང་ཇི་ཉིད་ཀྱི་འབྲི་མཆོམས་བྱང་ཅོ་ཉི་ལུ་ལྱི་གྱི་བཀོད་པ་སྟོགས་སྟོན་གནས་ཇིས་སྐུ་དན་པའི་རྒྱལ་སྟགས་ལངས་གྲུས་པའང་
 ཡོད་མོད་ཀྱི། རེ་ཞིག་ཡིག་འདི་ལ་བས་མི་བྱུང་། ། སྐུ་སྟོང་པའི་ཉིད་ཀྱི་རྒྱལ་ལ། དམ་པའི་ཉིད་ལུ་མ་དུ་གྱུར་བའི། ཡང་དག་པར་ཇི་གས་པའི་སངས་རྒྱས་ལ་ཡོད་པ་འཇིག་གི་རྩ་མ་པར་སྐུ་ལ་པར་གྲགས་པ། ཇི་
 བག་མི་གྲུབ་དེ་ཉིད་སྐུར་ཡང་། ཡང་སྤྱིད་བཟུང་བ་དཔལ་མཐུ་སྟོངས་ཀྱི་མགོན་པོ་གུན་བཟང་ཆོས་ཀྱི་ཉི་མ་ཞེས་སྐུ་གྲགས་པ་དེ་ཉིད་ཀྱི་སྐས་མི་མཁའ་འགྱུར་མཆོན་དང་ལྟན་པ་ཞིག་ཡོད་པ་དེ་ཡིན་ལ། རུང་དུ་ཉི

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

| བུག་པ། སྐར་ཡང་བྱས་སྤྲོད་ཀྱིས་འཕྲོད་མི་གནད་པས། སྐར་ཡི་གཞུང་ཆོག་ལ་ཕེད། བཀའ་སྤྱད་གི་ཆོ་རྒྱལ་གྱིས་ཁྱད་འཕྲོད་པར་བསྟུང་ནས། གཙུག་ཅེས་ལ་ཕེད་སྐར་གཞུང་གིས་བུ་ལོར་བུག་པ་

६३।

ཅན། འབྱུངས་ཕྱིར་མ་གྲོགས་ལུང་ཁོད། འཇགས་མ་རང་མི་ཡོད་ན་འདྲ། བྱིས་བཤེ་བ་ལྟན་འཛིན་གྱི་ཅི་ཀ་པོ་དེ་བས་ཆེན་མི་དེ་བས་རྒྱ་ལྷན་པ་ལྟར་བློན། ལུས་རང་བྱ་ལེར་བཞུགས་སོ། །རྩམ་ཅིང་ཕྱག་གཏེན་པའོ།

1134

[illegible]

卷之四

[illegible]

...

[Faint handwritten Devanagari script]

17

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः । तान्काङ्क्षन्तमव्ययम्
धर्म्मो ज्ञानयोगो योगेश्वर महात्मनः । यो ह्यादित्यस्तुतः
सर्वभूतहिते संस्थितः । तस्मान्नमो वन्द्योऽस्य विश्वतः ।
अथैकस्मिन्निमित्ते सर्वभूतहृदि स्थितौ शरीरेभ्यो
विद्यमानयोः प्रपन्नोऽहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मया संदीप्तो वेपथुस्तस्मादासां पश्यतां मेराज ।
उवाच । अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मया संदीप्तो वेपथुस्तस्मादासां पश्यतां मेराज ।

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in multiple lines across the page. The text is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of liturgical or philosophical text, possibly from a Buddhist manuscript. The characters are finely inscribed and closely spaced.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12. | 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

|| བུ་བྱོལ་པོ་མི་རྒྱུ་གསལ་ན་ཆོད་ཀྱང་། སྤྲེལ་འཛིན་མཉམ་ས་བཟུང་སྟེ། སྤྲེལ་བྱེད་པོ་མི་རྒྱུ་གསལ་ན་ཆོད་ཀྱང་མཉམ་ས་ཅན། རྩེད་ཀྱང་། ལམ་དཔང་། དེ་ལྟར་ཁ།

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

122

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कृष्ण उवाच । ॥ १ ॥
 अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् । आनन्दस्य चामृतं वक्ष्यामि ते ॥ ॥ २ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य च । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ३ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ४ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ५ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ६ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ७ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ८ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ ९ ॥
 अर्जुनस्य च त्रिभुवनं । अर्जुनस्य च त्रिभुवनं ॥ ॥ १० ॥

221

THE HISTORY OF THE

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

501

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तो भगवान्महाप्रभुः ।
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णं ध्यात्वा भक्त्युत्तमं कुरुते ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

129

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । ॥ १ ॥

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

